Regarding declaring Thane Railway Station as heritage station-laid

श्री नरेश गणपत म्हस्के (ठाणे): 1850 में कोलकाता की रेल कंपनी ने बोरीबंदर से ठाणे के बीच 34 किलोमीटर की रेल लाइन शुरू की थी और देश की पहली ट्रेन मुंबई के बोरीबंदर से ठाणे के बीच 16 अप्रैल 1853 को चली थी जिसमे करीब 400 यात्री थे और यह सफर 1 घंटा 15 मिनट का था। यह एक ऐतिहासिक क्षण था भारत के इतिहास में और उस समय इस को 21 तोपों की सलामी भी दी गई थी। इस ऐतिहासिक ट्रेन का भाप इंजन आज भी ठाणे रेलवे स्टेशन पर रखा हुआ है जो प्रतिदिन आने वाले यात्रियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। ठाणे स्टेशन से प्रतिदिन 6 से 7 लाख नागरिक यात्रा करते हैं और इसे A1 स्टेशन की श्रेणी में भी रखा गया है लेकिन इसके इतिहास का संज्ञान लेते हुए अब ठाणे रेलवे स्टेशन को हेरिटेज स्टेशन का दर्जा देने की भी मांग है। अतः माननीय रेल मंत्री जी से निवेदन है कि ठाणे रेलवे स्टेशन को हेरिटेज स्टेशन का दर्जा देने की दिशा में निर्णय लिया जाए जिससे इसके गौरवशाली इतिहास को सम्मान मिले और यहाँ पर्यटन को बढ़ावा मिले जिससे मेरे लोक सभा क्षेत्र का समावेशी विकास हो और रोज़गार के नए अवसर प्राप्त हो।